प्रश्नों के उत्तर

मौखिक

1.कविता में कवि राष्ट्र के लिए निःस्वार्थ भाव से प्राणों का बलिदान देने वाले वीरों की जय-जयकार कर रहा है।

2.वीर शहीदों ने जो सिंह गर्जना की उससे धरती अभी तक डोल रही है।

3.कवि ने इतिहास को अंधा तथा चकाचौंध का मारा कहा है।

4.जय-जयकार किए जाने वाले लोगों की महिमा के साक्षी
सम्पूर्ण प्रकृति अर्थात सूर्य तथा चन्द्रमा हैं।

5.इस कविता के कवि का नाम श्री रामधारी सिंह दिनकर है।

लिखित

1.कवि , कलम अर्थात देश के रचनाकारों को संबोधित कर रहे हैं।

2.कवि अगणित लघुदीप,अनगिनत वीरों को कह रहे हैं।

3.दिशाएँ वीर शहीदों की भाँति जलकर गर्म लपटें उगल रही हैं।

4.वीरों के सिंहनाद से धरती डोल रही है अर्थात उनके पराक्रम से शत्रुगण भयभीत हैं।

5.कवि ने विदेशियों को बेचारा कहा है जो हमारे वीरों के इतिहास के बारे में कुछ नहीं जानते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1.देशभक्त सर्वोपरि होते हैं।इन पंक्तियों में देशप्रेम एवं राष्ट्रीयता की भावना का वर्णन किया गया है।जिन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान कर नई चेतना जगाई।जिन्होंने बिना किसी मूल्य के अर्थात बिना किसी से कुछ अपेक्षा किए अपने कर्तव्य का पालन किया।देश के लिए स्वयं की आहुति दे दी।

2.इन पंक्तियों में कवि देशभक्तों का जयघोष कर रहे हैं।वीर शहीदों ने दीपक की भाँति जलकर लोगों को प्रकाश प्रदान किया।उन्होंने स्वयं को न्योछावर कर हमें तूफ़ानों से बचाया।वे देश की आन पर मर मिटे।लोगों का मार्गदर्शन किया तथा उनके समक्ष आदर्श प्रस्तुत किया।इस प्रकार उन्होंने क्रांति की ज्वाला को प्रज्वलित रखा।

3.यहाँ कवि ने स्वतंत्रता सेनानियों के शौर्य की गाथा गाई है।कवि ने इतिहास को बेचारा कहा है।कवि कहते हैं कि विलासिता में डूबे विदेशियों को हमारे इतिहास के संबंध में संपूर्ण जानकारी नहीं है।उन्हें पता नहीं है हमारे देश में कैसे-कैसे वीर उत्पन्न हुए हैं।

4.इन पंक्तियों में राष्ट्र के लिए निःस्वार्थ भाव से कष्ट सहने वाले तथा प्राणों को उत्सर्ग कर देने वाले वीरों की जय-जयकार
की गई है।उन वीर शहीदों ने दीपक की भाँति जलकर जो तेज लाल अग्नि प्रज्वलित की उनकी गर्म लपटें सभी दिशाओं में उठ रही हैं।उन वीर शहीदों के पराक्रम से शत्रुगण भयभीत हैं।